

02/12/19

परावली पेश हुये वकील वाली दायि
रही। वकील वाली को आवक लागत
गयी। स्वयं वाणी को भी आवक
लागति गयी। दायि रही है। लिखत
वास वाली वकील वाली की आदम दायि
आदम पैरों में खरिद किया जाता है।
परावली में लाल में शुभम दायि दायि
दालत ही।

राजेन्द्र सिंह

उप खण्ड अधिकारी (राजस्व)
रायसिंहनगर

